1

0331CH01

सीखो

आनंदमयी कविता

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना।

दीपक से सीखो जितना, हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की, सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे, जीवन-पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम, ऊँचे ही पर चढ़ना।

– श्रीनाथ सिंह

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपको इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

2. इनमें से कौन-कौन सी वस्तुएँ आप प्रतिदिन देखते हैं?
3. उगते हुए सूरज को देखकर आपके मन में किस प्रकार के भाव आते हैं?
4. रंग-बिरंगे फूलों को देखकर आपको कैसा लगता है?

Unit 1 1 to 45.indd 2 09-Apr-24 12:46:48 PM

कविता की बात

1. किससे क्या सीखें, मिलान कीजिए—

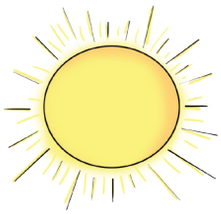

	हँसना
	जीवन में सदैव आगे बढ़ना
	जगना और जगाना
	अँधेरा दूर करना
	गीत गाना
	शीश झुकाना

© NCERT not to be republished

2. **कविता में किससे सीखने की बात आपको सबसे अच्छी लगी? उसका चित्र बनाइए और नाम लिखिए—**

....

3. **पढ़िए और बताइए कि यह भाव कविता की किस पंक्ति में आया है—**

(क) पेड़ों की झुकी डालियों से हमें यह सीखना है कि हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

.....

(ख) हवा के झोंकों से हमें सीखना है कि हम हमेशा कुछ न कुछ काम करते रहें।

कविता की पंक्ति

.....

(ग) नदी-नहर से हमें सीखना है कि जीवन आगे बढ़ने का नाम है और हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 4 09-Apr-24 12:46:51 PM

कविता से आगे

1. सूरज से 'जगना और जगाना' सीखने की बात कही गई है। हम सूरज से और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए —

(क) .....

.....

(ख) .....

.....

2. लता और पेड़ों से एक-दूसरे के साथ प्रेम और सद्भाव की बात सीखने के लिए कहा गया है। इनसे हम और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए—

(क) .....

.....

(ख) .....

.....

3. हम सभी में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है। आप अपने सहपाठी की कौन-सी बात सीखना चाहते हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 5 16-Apr-24 3:21:02 PM

भाषा की बात

शब्द	अर्थ
तरु	पेड़
शीश	सिर
पृथ्वी	धरती
हरना	दूर करना
पथ	रास्ता/मार्ग

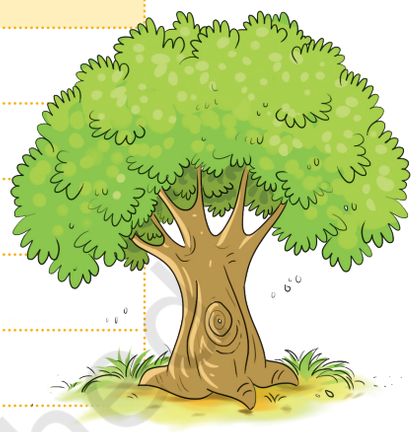

1. ऊपर दी गई सूची को ध्यान से पढ़िए। इनमें से कोई दो शब्द लेकर वाक्य बनाइए—

(क) .....

(ख) .....

2. दूध और पानी से सीखो, मिलना और मिलाना। रेखांकित शब्दों के समान कुछ और शब्द बनाइए —

हँसना और हँसाना	खाना और खिलाना
.....	.....
.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 6 09-Apr-24 12:46:52 PM

3. ‘स’ और ‘प’ वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्दों को कविता से खोजकर लिखिए —

स	प
सीखो	पानी
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

4. तालिका ‘अ’ तथा ‘ब’ में दिए गए शब्दों का उच्चारण कीजिए और इनमें अंतर पहचानिए —

तालिका ‘अ’

पड़ा
बड़ा
अड़ना
उड़ना
कड़ाई
लड़ाई

तालिका ‘ब’

पढ़ा
बढ़ा
बढ़ना
पढ़ना
कढ़ाई
चढ़ाई

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 7 09-Apr-24 12:46:52 PM

बूझो तो जानें

एक फूल, एक फल है भाई।
दोनों मिलकर बने मिठाई।

बिना बाल की पूँछ लिए वह भाग रहा है,
सब सोते, वह रात-रात भर जाग रहा है।
काट-काटकर कागज, कपड़े खुश होता है,
और धरातल के नीचे घर में सोता है।

आइए मिलकर गाएँ

आइए, पाठ में पढ़ी गई कविता को हम सब मिलकर गाएँ।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 8 09-Apr-24 12:46:53 PM